P.V.G.'s

Muktangan English School & Jr. College, Pune - 9

Annual Examination (2024-25)

Standard - VIII

Subject - Hindi (Entire) | **Marks - 50**

Date - 28/03/2025 | **Time : 8.00 am to 10.00 am**

सूचनाएँ:

१) सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है ।

२) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें ।

३) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है ।

४) शुद्ध, स्पष्ट भाषा एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है ।

विभाग १ - गद्य

कृति १ अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

एक और मजे की बात सुनो । जब आदमी निपट शिकारी था तो वह कुछ जमा न कर सकता था या कर भी सकता था तो बहुत कम, किसी तरह पेट भर लेता था। उसके पास बैंक न थे, जहाँ वह अपने रुपये व दूसरी चीजें रख सकता । उसे तो अपने पेट भरने के लिए रोज शिकार खेलना पड़ता था। खेती से उसे एक फसल में जरूरत से ज्यादा मिल जाता था। अतिरिक्त खाने को वह जमा कर देता था। इस तरह लोगों ने अतिरिक्त अनाज जमा करना शुरू किया। लोगों के पास अतिरिक्त अनाज इसलिए हो जाता था कि वह उससे कुछ ज्यादा मेहनत करते थे जितना सिर्फ पेट भरने के लिए जरूरी था। तुम्हें मालूम है कि आज-कल बैंक खुले हुए हैं जहाँ लोग रुपये जमा करते हैं और चेक लिखकर निकाल सकते हैं। यह रुपया कहाँ से आता है? अगर तुम गौर करो तो तुम्हें मालूम होगा कि यह अतिरिक्त रुपया है, यानी ऐसा रुपया जिसे लोगों को एक बारगी खर्च करने की जरूरत नहीं हैं। इसे वे बैंक में रखते हैं। वही लोग मालदार हैं जिनके पास बहुत-सा अतिरिक्त रुपया है और जिनके पास कुछ नहीं वे गरीब हैं। आगे तुम्हें मालूम होगा कि यह अतिरिक्त रुपया आता कहाँ से है। इसका सबब यह नहीं है कि आदमी दूसरे से ज्यादा काम करता है और ज्यादा कमाता है बल्कि आज-कल जो आदमी बिलकुल काम नहीं करता उसके पास तो बचत होती है और जो पसीना बहाता है उसे खाली हाथ रहना पड़ता है। कितना बुरा इंतजाम है। बहुत से लोग समझते हैं कि इसी बुरे इंतजाम के कारण दुनिया मैं आज-कल इतने गरीब आदमी हैं। अभी शायद तुम यह बात समझ न सको इसलिए इसमें सिर न खपाओ। थोड़े दिनों में तुम इसे समझने लगोगी।

इस वक्त तो तुम्हें इतना ही जानना पर्याप्त है कि खेती से आदमी को उससे ज्यादा खाना मिलने लगा जितना वह खा नहीं सकता था, यह जमा कर लिया जाता था । उस जमाने में न रुपये थे, न बैंक। जिनके पास बहुत-सी गायें, भेड़ें, ऊँट या अनाज होता था, वे ही अमीर कहलाते थे।

१) **आकृति पूर्ण कीजिए** **(२)**

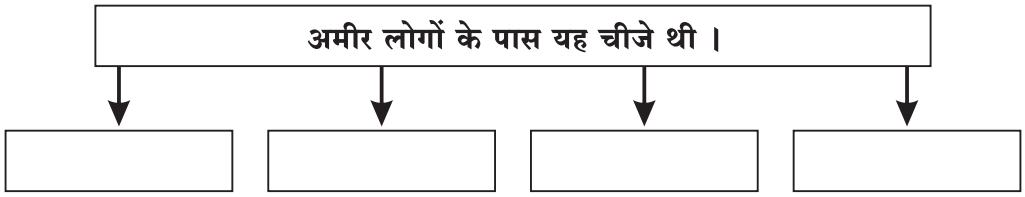

2) **i) परिच्छेद में आए दो शब्द युग्म की जोडी ढूँढकर लिखिए।** **(१)**

१) ____

२) ____

ii) परिच्छेद में आए इन विरामचिह्नों के नाम लिखिए। **(१)**

	चिह्न	नाम
i)	,	
ii)	।	

३) स्वमत **(२)**

'जीवन में बचत का महत्त्व' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए।

कृति १ आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

पेड : अरे! अरे! यह क्या कर रहे हो?

लकड़हारा : **(चौंककर)** कौन? **(आस-पास नजर दौड़ाता है।)**

पेड : अरे भाई, यह तो मैं हूँ।

लकड़हारा : **(डरकर)** कौन... भू... त!

पेड़ : डरो नहीं भाई, मैं तो पेड़ हूँ.. पेड़।

लकड़हारा : **(आश्चर्य से)** पेड़! क्या तुम बोल भी सकते हो।

पेड़ : भाई, मुझमें भी प्राण हैं। तुम मुझ बेकसूर पर क्यों वार कर रहे हो? ।

लकड़हारा : तो क्या करूँ? चार-चार बच्चों को पालना पड़ता है। यही एक रास्ता है रोजी-रोटी का।

पेड़ : अरे भाई, अधिक बच्चे होने के कारण परिवार में दुख तो आएगा ही, पर तुम कितने बदल गए हो! तुम यह भी भूल गए कि मैं ही तुम्हें जीने के लिए शुद्ध हवा, पानी और भोजन सभी कुछ देता हूँ।

लकड़हारा : यह तो तुम्हारा काम है। इसमें उपकार की क्या बात है।

पेड़ : मैंने कब कहा उपकार है भाई। पर यह तो तुम अच्छी तरह जानते हो कि बिना हवा के मनुष्य जिंदा नहीं रह सकता। उसे साँस लेन के लिए शुद्ध हवा तो चाहिए ही और हवा को शुद्ध करने का काम मैं ही करता हँ।

लकड़हारा : ठीक है पर मेरे सामने भी तो समस्या है।

पेड़ : यदि तुम हमें काटते रहे, तो ये बेचारे वन्य पशु कहाँ जाएँगे? क्या तुम अपने स्वार्थ के लिए उनका घर उजाड़ दोगे?

लकड़हारा : तो फिर क्या मैं अपना घर उजाड़ दूँ?

पेड़ : मेरा मतलब यह नहीं है। यदि तुम इसी तरह हमें काटते रहे, तो अच्छी वर्षा कैसे आएगी और एक दिन...

लकड़हारा : तुम्हारी बात तो ठीक है पर अब तुम्हीं बताओ, मैं क्या करूँ?

पेड़ : कम-से-कम अपने हाथों अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी तो मत मारो। कभी हरा-भरा पेड़ मत काटो। उन्हें अपने बच्चों के समान पालो, ताकि चारों और हरियाली छाई रहे! (लकड़हारा हामी भरता है। उसी समय परदा गिरता है।)

१) एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **(२)**

i) पेड़ के उपयोग कौन-कौन से है?

ii) पेड़ो की कटाई होने के बाद क्या दुष्परिणाम होते है?

२) i) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए। **(१)**

१) बच्चा -

२) हवा -

ii) निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। **(१)**

१) शुद्ध X

२) अच्छा X

३) स्वमत

'पेड़ न होते तो' इस विषय पर अपने विचार ६-८ पंक्तियों में लिखिए। **(२)**

विभाग - २ पद्य

कृति २ अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

नफरत ठंडी आग है, इसमें जलना छोड़,
टूटे दिल को प्यार से, जोड़ सके तो जोड़।

पौधे ने बाँटे नहीं, नाम पूछकर फूल,
हमने ही खोले बहुत, स्वारथ के इस्कूल ।

धर्म अलग, भाषा अलग फिर भी हम सब एक,
विविध रंग करते नहीं, हमको कभी अनेक ।

जो भी करता प्यार वो, पा लेता है प्यार,
प्यार नकद का काम है, रहता नहीं उधार।

जर्रे-जर्रे में खुदा, कण-कण में भगवान,
लेकिन 'जर्रे' को कभी, अलग न 'कण' से मान ।

इसीलिए हम प्यार की, करते साज-सम्हार,
नफरत से नफरत बढ़े, बढ़े प्यार से प्यार ।

भाँति-भाँति के फूल हैं, फल बगिया की शान,
फल बगिया लगती रही, मुझको हिंदुस्तान।

हम सब जिसको नाम पर, लड़ते हैं हर बार,
उसने सपने में कहा, लड़ना है बेकार!

कितना अच्छा हो अगर, जलें दीप से दीप,
ये संभव तब हो सके, आएँ दीप समीप ।।

१) आकृति पूर्ण कीजिए। **(१)**

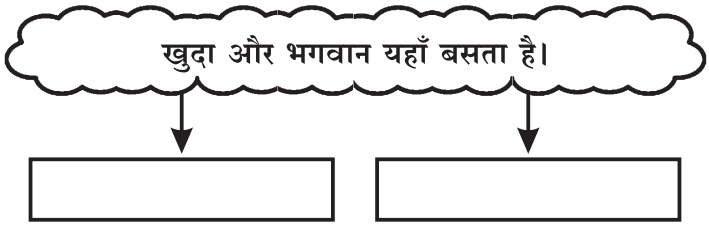

२) एक वाक्य में उत्तर लिखिए। **(१)**

i) हम सब एक कब है?

३) निम्नलिखित शब्दों के वचन पहचानकर लिखिए। **(१)**

i) भाषाएँ-

ii) पौधा-

४) धर्म अलग, भाषा अलग---------- रहता नहीं उधार ।

इन चार पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए **(२)**

आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

शीत-ताप में जूझ प्रकृति से
बहा स्वेद, भू-रज कर उर्वर,
शस्य श्यामला बना धरा को
जब भंडार कृषक देते भर
नहीं प्रार्थना इससे शुभकर!

कलाकार-कवि वर्ण-वर्ण को
भाव तूलि से रच सम्मोहन
जब अरूप को नया रूप दे
भरते कृति में जीवन स्पंदन
नहीं प्रार्थना इससे प्रियतर!

सत्य-निष्ठ, जन-भू प्रेमी जब
मानव जीवन के मंगल हित
कर देते उत्सर्ग प्राण निज
भू-रज को कर शोणित रंजित
नहीं प्रार्थना इससे बढ़कर!

चख-चख जीवन मधुरस प्रतिक्षण
विपुल मनोवैभव कर संचित,
जन मधुकर अनुभूति द्रवित जब
करते भव मधु छत्र विनिर्मित
नहीं प्रार्थना इससे शुचितर!

१) आकृति पूर्ण कीजीए । **(१)**

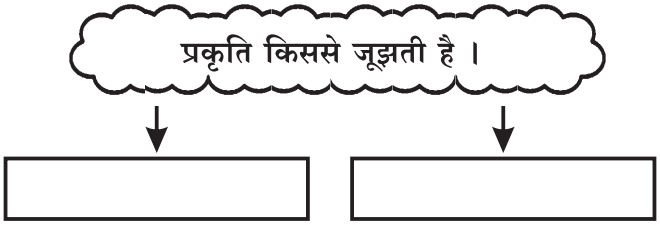

२) i) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए। **(१)**

१) मधुकर = ____

२) शीत = ____

ii) निम्नलिखित शब्दों के विरुद्धार्थी शब्द लिखिए। **(१)**

१) सत्य X

२) नया X

३) शीत-ताप में जूझ ---------- नहीं प्रार्थना इससे शुभकर!
इन पाँच पंक्तियों का सरल अर्थ ६-८ पंक्तियों में लिखिए। **(२)**

विभाग ३ : भाषा अध्ययन (व्याकरण)

कृति ३) सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए।

१) अधोरेखांकित शब्द का शब्दभेद (सव्यय) पहचानकर लिखिए। **(१)**

i) तुम्हारा कमरा <u>वह</u> है।

२) निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए। (कोई एक) **(१)**

i) चुपचाप

ii) आज

३) निम्नलिखित वाक्य पढ़कर प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए। **(१)**

i) राम ने गाना गाया ।

कारक चिह्न	कारक भेद

४) निम्नलिखित वाक्यों में सहायक क्रिया पहचानकर उसका मूल रूप लिखिए। **(१)**

i) बच्चे रेत का घर बनाने में जुट गए ।

५) निम्नलिखित क्रिया का प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। **(१)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	द्वितीय प्रेरणार्थक रुप
उठना		

६) निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उसका सार्थक वाक्य में प्रयोग कीजिए। **(१)**

i) पसीना बहाना –

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।

(राह देखने लगे, भनक पड़ना)

परीक्षा हो जाने पर विद्यार्थी परिणाम की <u>प्रतीक्षा करने लगे ।</u>

७) निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करके लिखिए। **(१)**

i) मेरा छुट्टी मंजूर हो गया है ।

८) i) **निम्नलिखित वाक्य में काल पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **(१)**

दीनदयाल जी चुप बैठे देख रहे थे।

ii) **निम्नलिखित वाक्य में सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए** **(१)**

नंदिता प्रसन्न हो गई । (पूर्ण भूतकाल)

विभाग ४ – रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेद में लेखन अपेक्षित है।

कृति ४ अ) पत्रलेखन

१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए। **(५)**

उमा / उमेश, २०५ नेहरू मार्ग, पुणे से 'नंदनवन कॉलोनी' सातारा में रहनेवाले छोटे भाई मंगेश को चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने के उपलक्ष्य में बधाई पत्र लिखता / लिखती है ।

आ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए। **(५)**

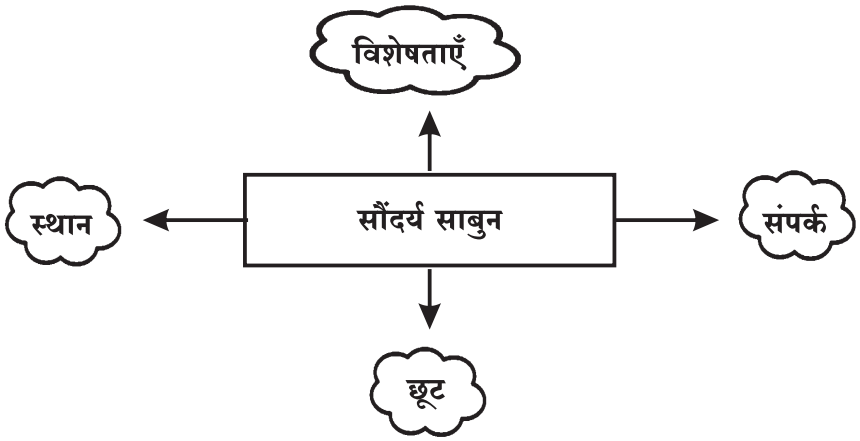

२) **निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर एक–एक वाक्य में हो।** **(४)**

महाराष्ट्र में औरंगाबाद शहर से ११० किलोमीटर की दूरी पर उत्तर दिशा में अजंता की जगप्रसिद्ध गुफाएँ है। यहाँ कुल तीस गुफाएँ हैं। विद्वानों के मतानुसार यहाँ की गुफाओं का निर्माणकार्य ई.स. दूसरी से ई.स. सातवीं तक चला होगा । शिल्प तथा चित्र अधिकांशत: भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित है। कार्य इतना अनूठा है कि दर्शक देखकर दंग रह जाते हैं। अपनी दर्शनीयता के साथ–साथ वे प्राचीन भारतीय संस्कृति की सुंदर झाँकी भी प्रस्तुत करते हैं। उदाहरणार्थ, स्त्रियों की केशभूषा, वेशभूषा उनके नानाविध अलंकार इत्यादि। यहाँ के चित्रों के रंगों के बारे में कुछ कह पाना भी असंभव है। वे अब भी ऐसे चमकते हैं, जैसे आज ही रंगे गए हों।

इ) **निम्नलिखित विषयों में से <u>किसी एक</u> विषय पर लगभग ८०-१०० शब्दों मे निबंध लिखिए।** **(५)**

१) मेरी पाठशाला ।

२ मेरा प्रिय खेल ।

■■■